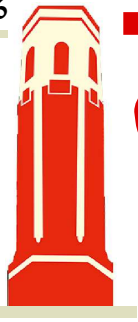


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 256
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस का हरिद्वार व डोईवाला में प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने हरिद्वार व डोईवाला में प्रदर्शन कर सीईसी का पुतला दहन किया।

आज यहां बिहार में वोटर लिस्ट में गडबडी और चुनाव प्रक्रिया में धांधली के आरोपो को लेकर इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हरिद्वार व डोईवाला में प्रदर्शन कर ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पारदर्शी नहीं है और चुनाव प्रक्रिया में चोरी की जा रही है जिससे लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव सबसे जरूरी है और आयोग को अपनी निष्पक्षता साबित करनी होगी। उनका आरोप था कि ज्ञानेश कुमार सत्ता के गुलाम की तरह काम कर रहे हैं। देश बचाव को लेकर प्रदर्शन किया गया। करन माहरा ने कहा कि आश्चर्य



है कि चुनाव आयोग का काम है कि विपक्ष की सुनवाई करना है लेकिन ज्ञानेश कुमार नरेन्द्र मोदी व अमित शाह के गुलाम की तरह काम कर रहे हैं। जब तक ज्ञानेश कुमार का नहीं हटाया जायेगा

यह प्रदर्शन देश भर में जारी रहेगा चुनाव आयोग विपक्ष के आरोपों की सुनवाई करो। चुनाव आयोग के दरवाजे विपक्षियों के लिए खुले रहते थे। चुनाव हाईजेक किया गया है वह साबित भी हो गया। हमें जनता की

अदालत में जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं रह गया है। वहीं डोईवाला में भी इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और वोट चोर गददी छोड़ के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया। इंडिया

गठबंधन के ने लोगों से पूरे देश में प्रदर्शन का आह्वान किया। ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए जनता से सड़कों पर आने का आह्वान किया गया। जिसके बाद उन्होंने चुनाव आयोग का पुतला दहन किया।

पीएम मोदी के जनसेवा एवं सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सीएम धामी ने दी बधाई

◆ सीएम ने की बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना

संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में जनसेवा एवं सुशासन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धाम ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा की यात्रा आज विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 25 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, युवा उत्थान, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा देश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रधानमंत्री का संकल्प सभी के लिए प्रेरणादायी है। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश विकास के नए आयाम



स्थापित कर रहा है। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से उत्तराखंड सरकार भी राज्य को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के

साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए जनसेवा की उनकी यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण

होने पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

वही दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र सेवा में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उत्तरकाशी स्थित पौराणिक श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और देश के विकास के प्रति समर्पण का काल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन में देश को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र के संकल्प की दिशा में निरंतर आगे बढ़ता रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घ एवं सफल सार्वजनिक जीवन के लिए बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेना उनके लिए सौभाग्य का विषय है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बदलता भू-राजनीतिक नक्शा

अफगानिस्तान का चीन तक सड़क संपर्क विकसित करना महज एक सड़क परियोजना नहीं है। यह उस बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य का संकेत है, जिसमें मध्य एशिया, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संपर्क के नए रास्ते तलाशे जा रहे हैं। जिस अफगानिस्तान को लंबे समय तक युद्ध, आतंक और अस्थिरता के लिए जाना जाता रहा, वह अब अपने भूगोल को आर्थिक और रणनीतिक अवसर में बदलने की कोशिश कर रहा है। चीन के लिए अफगानिस्तान का महत्व केवल पड़ोसी देश तक पहुंच बनाने तक सीमित नहीं है। अफगानिस्तान मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के बीच एक महत्वपूर्ण भौगोलिक कड़ी है। उसकी धरती से होकर चीन पश्चिमी एशिया और मध्य एशिया तक अपने व्यापारिक रास्तों का विस्तार कर सकता है। यही कारण है कि चीन अफगानिस्तान के साथ आर्थिक और परिवहन संपर्क बढ़ाने में लगातार रुचि दिखा रहा है। इस घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारत के लिए है। अफगानिस्तान में चीन की बढ़ती मौजूदगी और पाकिस्तान के साथ उसके रणनीतिक रिश्ते को अलग-अलग घटनाओं के रूप में देखने की भूल भारत नहीं कर सकता। चीन पहले ही पाकिस्तान में अरबों डालर का निवेश कर चुका है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके व्यापक बेल्ट एंड रोड नेटवर्क का प्रमुख हिस्सा है। ऐसे में अफगानिस्तान तक पहुंच उसके लिए पश्चिमी दिशा में एक और रणनीतिक विस्तार है। भारत की चिंता इसलिए भी बढ़ती है क्योंकि अफगानिस्तान ऐतिहासिक रूप से भारत के लिए केवल पड़ोसी भूगोल नहीं, बल्कि मध्य एशिया तक पहुंच का महत्वपूर्ण द्वार रहा है। पाकिस्तान के रास्ते बंद रहने के कारण भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह के माध्यम से अफगानिस्तान और आगे मध्य एशिया तक पहुंच बनाने की रणनीति अपनाई। अब यदि चीन अफगानिस्तान के साथ सड़क और अन्य संपर्क परियोजनाओं का जाल मजबूत करता है तो क्षेत्रीय संपर्क की प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। लेकिन भारत को केवल चिंता करने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीति को नए सिरे से धार देने की जरूरत है। चाबहार परियोजना को गति देना, मध्य एशियाई देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करना और हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक अपनी कनेक्टिविटी को रणनीतिक दृष्टि से विकसित करना समय की मांग है। अफगानिस्तान की सड़क चीन तक पहुंच रही है, लेकिन असली सवाल यह है कि भारत की रणनीतिक सड़कें और आर्थिक गलियारे दुनिया के बदलते नक्शे में कहां पहुंच रहे हैं? दुनिया की राजनीति अब केवल सीमाओं और सेनाओं से तय नहीं होती। सड़क, रेल, बंदरगाह, ऊर्जा गलियारे और डिजिटल नेटवर्क भी नई भू-राजनीति के हथियार बन चुके हैं। चीन इसी रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत को भी हिमालयी और मध्य एशियाई भूगोल को केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्कि व्यापार, संपर्क और सामरिक प्रभाव के व्यापक नजरिए से देखना होगा। अफगानिस्तान की चीन तक सड़क इसलिए एक चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इस बात की कि भारत के आसपास का भूगोल तेजी से बदल रहा है और अवसर इस बात का कि भारत चाहे तो अपनी ऐतिहासिक सभ्यतागत और आर्थिक कड़ियों को आधुनिक कनेक्टिविटी के माध्यम से फिर मजबूत कर सकता है। सड़कें केवल दूरी कम नहीं करतीं, वह प्रभाव बढ़ाती हैं। चीन यह बात समझ चुका है। अब भारत को भी समझना होगा कि बदलते एशिया में जो देश रास्ते बनाएगा, वही आने वाले समय में रास्ते तय करने की क्षमता भी रखेगा।

जन संघर्ष मोर्चा ने की सीएम से पूर्व सैनिकों को समान कार्य-समान वेतन की मांग

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा ने पूर्व सैनिकों को सामान कार्य- समान वेतन का लाभ दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने . मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर उपनल के माध्यम से जल विद्युत निगम में कार्योचित पूर्व सैनिकों को सामान कार्य- समान वेतन का लाभ दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। धामी ने कार्यवाही का



भरोसा दिलाए। नेगी ने कहा कि यूपीसीएल में कार्योचित पूर्व सैनिकों को लाभ अनुमन्य हो चुका है। नेगी ने कहा कि उपनल कर्मचारियों के मामले में जनहित याचिका संख्या 116/ 2018 कुंदन सिंह बनाम उत्तराखंड राज्य व अन्य आदि याचिका में उच्च न्यायालय द्वारा उपनल के माध्यम से कार्योचित/ प्रायोजित कार्मिकों को समान कार्य-समान वेतन आदि देने के निर्देश दिए गए थे, जिसके क्रम में शासन द्वारा 3 फरवरी 2026 के द्वारा समान कार्य- समान वेतन दिए जाने के निर्देश सभी विभागों को दिए गए थे। उक्त निर्देशों के अनुपालन में लगभग सभी विभागों/ निगमों द्वारा पूर्व सैनिकों को समान कार्य- समान वेतन आदि दिये जाने के निर्देश का अनुपालन हो चुका है, लेकिन यूजेविएनएल द्वारा आज तक उक्त आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। मोर्चा को भरोसा है कि पूर्व सैनिकों को बहुत जल्द ईसाफ मिलेगा।

गंगा की धारा से दिल्ली के गलियारों तक: उत्तराखंड में राज्यसभा राजनीति का बदलता गणित

उत्तराखंड के राजनीतिक परिदृश्य में 6 अक्टूबर 2026 का दिन केवल एक नामांकन की औपचारिक तारीख भर नहीं था; यह उत्तराखंड की पिछले ढाई दशक की राज्यसभा राजनीति के एक बड़े प्रतिमान-विस्थापन का साक्षी बना।

भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ संगठनात्मक निष्ठावान दिनेश आर्य को राज्यसभा प्रत्याशी के रूप में विधानसभा परिसर में नामांकित किया। कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी न उतारे जाने के कारण उनका निर्विरोध निर्वाचन महज समय की औपचारिकता है। किंतु इस घटनाक्रम की गहराई में उतरें तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति के उच्च सदन पहुंचने की कहानी नहीं है—यह उत्तराखंड के राजनीतिक अंकगणित, क्षेत्रीय-सामाजिक संतुलन और दिल्ली के पैराशूट बनाम उत्तराखंड के कार्यकर्ता के बीच वर्षों पुरानी राजनीतिक बहस का एक निर्णायक उत्तर भी है।

1. सत्ता का अंकगणित और राज्यसभा की जमीन (2002-2026)

उत्तराखंड में 70 सदस्यीय विधानसभा के बीच 3 राज्यसभा सीटें राज्य की आवाज को केंद्रीय राजनीति में बुलंद करने का माध्यम रही हैं। प्रत्येक दो वर्ष में छह-वर्षीय कार्यकाल के लिए होने वाले ये चुनाव यद्यपि सीधे तौर पर विधानसभा के संख्याबल से तय होते हैं, किंतु इतिहास साक्षी है कि संख्याबल हमेशा अंतिम परिणाम की एकमात्र पटकथा नहीं लिखता।

यदि हम 2002 से 2026 तक के विधानसभा शक्ति-संतुलन पर दृष्टि डालें :

यदि हम 2002 से 2026 तक के विधानसभा शक्ति-संतुलन पर दृष्टि डालें : 2002 विधानसभा चुनाव: कांग्रेस (36 सीटें), भाजपा (19 सीटें), राजनीतिक परिदृश्य – प्रथम निर्वाचित कांग्रेस सरकार 2007 विधानसभा चुनाव: कांग्रेस (21 सीटें), भाजपा (35 सीटें), राजनीतिक परिदृश्य – सत्ता परिवर्तन, भाजपा सरकार 2012 विधानसभा चुनाव: कांग्रेस (32 सीटें), भाजपा (31 सीटें), राजनीतिक परिदृश्य – अत्यंत सूक्ष्म अंतर, कांग्रेस सरकार

2017 विधानसभा चुनाव: कांग्रेस (11 सीटें), भाजपा (57 सीटें), राजनीतिक परिदृश्य – भाजपा का प्रचंड बहुमत 2022 विधानसभा चुनाव: कांग्रेस (19 सीटें), भाजपा (47 सीटें), राजनीतिक परिदृश्य – भाजपा की ऐतिहासिक वापसी यह तालिका स्पष्ट करती है कि 2017 के बाद से राज्य में भाजपा का संख्यात्मक प्रभुत्व इतना अटूट रहा है कि राज्यसभा की राहें निष्कण्टक हो गईं।

2. ढाई दशक का सफर : चुनाव दर चुनाव

उत्तराखंड की राज्यसभा सीटों ने भारतीय राजनीति के कई दिग्गजों और स्थानीय रणनीतिकारों को दिल्ली भेजा है : 2002 : हरीश रावत (कांग्रेस बहुमत के साथ)

2004 : कप्तान सतीश शर्मा (कांग्रेस-निर्विरोध)

2006 : सत्यव्रत चतुर्वेदी (कांग्रेस-



◆ शीशपाल गुसाई

मुकाबला)

2008 : भगत सिंह कोश्यारी (भाजपा सरकार के दौर में)

2010 : तरुण विजय (भाजपा-निर्विरोध)

2012 : महेंद्र सिंह माहरा (कांग्रेस-करीबी मुकाबला)



2014 : मनोरमा डोबरियाल शर्मा (कांग्रेस-निर्विरोध)

2015 (उपचुनाव) : राज बब्बर (कांग्रेस)

2016 : प्रदीप टम्टा (कांग्रेस-घमासान मुकाबला)

2018 : अनिल बलूनी (भाजपा-निर्विरोध)

2020 : नरेश बंसल (भाजपा-बहुमत)

2022 : डॉ. कल्पना सैनी (भाजपा-निर्विरोध)

2024 : महेंद्र भट्ट (भाजपा-निर्विरोध)

2026 : दिनेश आर्य (भाजपा-निर्विरोध)

3. इतिहास के वो तीन ऐतिहासिक मोड़ : 2006, 2012 और 2016

राज्यसभा चुनावों की असली राजनीतिक परीक्षा तब होती है जब विधानसभा की संख्या और मतदान के आंकड़े अलग-अलग कहानी कहने लगते हैं। उत्तराखंड ने ऐसे तीन ऐतिहासिक मुकाबले देखे हैं :

2006 (सत्यव्रत चतुर्वेदी बनाम विपक्षी प्रत्याशी) : सत्यव्रत चतुर्वेदी ने 39 मत हासिल कर जीत दर्ज की। इसने सिद्ध किया कि राज्यसभा चुनाव में केवल अपनी पार्टी के विधायकों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता; व्यक्तिगत समीकरण भी मायने रखते हैं।

2012 (महेंद्र सिंह माहरा बनाम

अनिल गोयल) : 2012 में कांग्रेस के पास 32 और भाजपा के पास 31 सीटें थीं—अंतर मात्र एक सीट का। किंतु मतदान के बाद कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह माहरा को 39 मत मिले। 8 वोटों का यह अंतर राजनीतिक प्रबंधन की मिसाल बना।

2016 (प्रदीप टम्टा बनाम अनिल गोयल) : सत्ता के तीखे गलियारों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हुए इस चुनाव में प्रदीप टम्टा को 32 और भाजपा समर्थित अनिल गोयल को 26 मत मिले।

अनिल गोयल प्रसंग का संदेश : 2012 और 2016 के चुनावों में अनिल गोयल की उम्मीदवारी ने यह साबित किया कि विपक्ष के पास पर्याप्त आंकड़े न भी हों, तब भी वह राज्यसभा चुनाव को एक रणनीतिक संघर्ष में बदल सकता है।

4. दिल्ली का पैराशूट बनाम पहाड़ का कार्यकर्ता

उत्तराखंड के जनमानस और राजनीतिक कार्यकर्ताओं में यह मलाल वर्षों

तक रहा कि क्या राज्यसभा की सीटें केवल दिल्ली के राष्ट्रीय क्षेत्रों को समायोजित करने का जरिया हैं?

कांग्रेस के दौर में कप्तान सतीश शर्मा, सत्यव्रत चतुर्वेदी और राज बब्बर जैसे नामों का चयन राष्ट्रीय राजनीति की प्राथमिकताओं से प्रेरित था, जिनका राज्य की जमीनी राजनीति से गहरा जुड़ाव नहीं माना जाता था। इसके विपरीत, भाजपा ने अपने अधिकांश कार्यकर्ताओं में उत्तराखंड की माटी से जुड़े चेहरों पर दांव लगाया—चाहे

वे भगत सिंह कोश्यारी, तरुण विजय, अनिल बलूनी, नरेश बंसल, डॉ. कल्पना सैनी, महेंद्र भट्ट हों, या अब दिनेश आर्य। हालांकि, इसे केवल बाहरी बनाम स्थानीय के संकीर्ण चश्मे से नहीं देखा जा सकता। राष्ट्रीय दल अपनी व्यापक रणनीतियों, संसदीय प्राथमिकताओं और राष्ट्रीय छवि को ध्यान में रखकर ही उम्मीदवारों का चयन करते हैं।

5. 2026 में दिनेश आर्य का चयन : त्रिकोणीय संतुलन का संदेश

दिनेश आर्य का नामांकन केवल एक सामान्य राजनीतिक नियुक्ति नहीं है। नैनीताल की धरती से उठे आर्य ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपनी यात्रा शुरू की, जिलाध्यक्ष रहे और दशकों तक संगठन के अनुशासित सिपाही की भांति कार्य किया।

भाजपा नेतृत्व द्वारा इस बार किसी केंद्रीय चेहरे को भेजने के बजाय एक निष्ठावान स्थानीय कार्यकर्ता को चुनना तीन स्पष्ट संदेश देता है :

संगठनात्मक निष्ठा को सम्मान: यह संदेश कि बूथ और जिला स्तर पर तपने वाले कार्यकर्ता का श्रम व्यर्थ नहीं जाता।

सामाजिक समीकरण (दलित प्रतिनिधित्व) : अनुसूचित जाति पृष्ठभूमि से आने वाले आर्य का चयन राज्य के वृहद सामाजिक ताने-बाने को साधने की एक सटीक रणनीति है।

क्षेत्रीय संतुलन (कुमाऊं का

►► शेष पृष्ठ 7 पर



श्री दुर्गा शक्ति मंदिर में 11 अक्टूबर से शुरू होगा शारदीय नवरात्रा महोत्सव

संवाददाता
देहरादून। श्री दुर्गा शक्ति मन्दिर में शारदीय नवरात्र महोत्सव 11 अक्टूबर से शुरू होगा। ऋषिकेश के श्री दुर्गा शक्ति मंदिर समिति की बैठक मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में शारदीय नवरात्र महोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि मंदिर में 11 अक्टूबर से नवरात्र महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव का शुभारंभ 11 अक्टूबर को सुबह 8 बजे कलश स्थापना के साथ होगा। नवरात्र के दौरान प्रतिदिन देवी मां की चौकी का आयोजन किया जाएगा। मां की चौकी भक्तों के लिए पूर्णतः निष्काम सेवा के रूप में होगी और कोई भी श्रद्धालु इसका आयोजन करा सकेगा। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। मंदिर जाने वाले मार्गों पर विशेष पुष्प सज्जा की जाएगी। वहीं, मां दुर्गा का स्वर्ण एवं रजत आभूषणों से दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संचार माध्यमों के माध्यम से भी किया जाएगा। बैठक में मंदिर समिति अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा, महामंत्री पंडित ज्योति शर्मा, सतीश कक्कड़, विनोद टोंक, चंद्र भाटिया, राजेश रावल, जितेंद्र आनंद, पंकज चावला, अमृतलाल नागपाल, अजय ब्रेजा, रमन नारंग, डॉ. विजय जेटली, नरेश अरोड़ा एवं ललित कुमार भाटिया उपस्थित रहे।

स्कूल गेट के पास बड़े वाहनों की पार्किंग पर रोक की मांग

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर-14 आमपड़ाव जौनपुर की पार्षद रीता देवी ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय नगर क्षेत्र नंबर-2 के मुख्य गेट के समीप बड़े वाहनों की पार्किंग पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में कोतवाल प्रदीप नेगी को पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की। पार्षद ने कहा कि विद्यालय में क्षेत्र के छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं। स्कूल गेट के ठीक समीप बड़े वाहनों को आड़ा-तिरछा खड़ा किए जाने से बच्चों की आवाजाही प्रभावित होने के साथ ही हादसे का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पूर्व में यातायात पुलिस को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने पुलिस से विद्यालय के गेट के आसपास अवैध और बेतरतीब पार्किंग पर तत्काल रोक लगाने की मांग की, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इंडिया गठबंधन ने मुख्य चुनाव आयोग के खिलाफ किया प्रदर्शन

नई टिहरी(आरएनएस)। इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों के लोगों ने मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार के खिलाफ कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर धरना दिया। राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में उन्होंने मुख्य चुनाव आयोग को बर्खास्त करने की मांग उठाई। कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े लोग नई टिहरी हनुमान चौक पर एकत्रित हुए। डॉ. भीमराव आंबेडकर के स्मारक पर जाकर संविधान का वाचन किया। इसके बाद डाइजर होते हुए रैली कलेक्ट्रेट पहुंचे। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुरारीलाल खंडवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयोग केंद्र की भाजपा सरकार के जरिए वोट चोरी के कार्य में लगे है। इंडिया गठबंधन सदस्यों पर उतरकर चुनाव आयोग के बर्खास्तगी की मांग करेंगे। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने कहा कि मुख्य चुनाव आयोग के कारण लोकतंत्र खतरे में है। लोग लोकतंत्र में अपने मत का प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। पूर्व विधायक ओम गोपाल रावत और भीमलाल आर्य ने कहा कि चुनाव आयोग ने एसआईआर के नाम पर देश में करोड़ों मतदाओं को उनके अधिकार से वंचित किया गया है। भाजपा के लोग उन्हें बचाने के काम में लगे हैं। भाकपा के जिला सचिव भगवान सिंह राणा ने एसआईआर को रद्द करने की मांग की। इसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट तिराहे पर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार का पुतला भी फूँका। इस मौके पर महिला जिलाध्यक्ष आशा रावत, राकेश राणा, विजय गुनसोला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, प्रवीन भंडारी, देवेंद्र नौडियाल मौजूद थे।

वोट चोरी पर चुनाव से पहले ‘सियासी तपिश’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून/नई दिल्ली। चुनावी राजनीति के अगले दौर से पहले कांग्रेस ने मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर अपने अभियान को देशव्यापी विस्तार देने का फैसला किया है। पार्टी ने वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ 10 अक्टूबर से महीनेभर का आंदोलन चलाने की घोषणा की है। कांग्रेस का आरोप है कि विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम प्रभावित हुए हैं। निर्वाचन आयोग और भाजपा इन आरोपों को स्वीकार नहीं करते और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर अपनी अलग स्थिति रखते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश अध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों के साथ आंदोलन की रणनीति तय की गई। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद रहे। पार्टी महासचिव केशी वेणुगोपाल ने कहा कि अभियान को गांव, ब्लाक और जिला स्तर तक ले जाया जाएगा।

कांग्रेस की रणनीति अब केवल प्रेस वार्ता और दिल्ली के धरने तक सीमित रहने वाली नहीं है। 10 से 20 अक्टूबर तक ब्लाक स्तर पर बाइक रैली, साइकिल रैली और पदयात्राएं आयोजित करने की योजना है। इसके बाद 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक गांवों में चौपाल लगाने और मतदाता सूचियों की पड़ताल करने का कार्यक्रम रखा गया है। कांग्रेस ने ऐसे कार्यकर्ताओं को वोट रक्षक की भूमिका देने की बात कही है, जो कथित रूप से सूची से बाहर हुए मतदाताओं तक पहुंचेंगे। कांग्रेस के इस अभियान का मूल राजनीतिक केंद्र मतदाता सूची है। पार्टी लगातार आरोप लगाती रही है कि एसआईआर के दौरान नाम हटाए जाने से वास्तविक मतदाताओं के मतदान के अधिकार पर असर पड़ सकता है। कांग्रेस ने इसी मुद्दे को वोट चोरी के राजनीतिक नारे में बदल दिया है।

वहीं, इस पूरे विवाद में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट से जुड़ा है। पांच अक्टूबर को अदालत ने स्पष्ट किया कि उसने फार्म-6 के किसी संशोधित स्वरूप

को मंजूरी नहीं दी थी। कांग्रेस ने इस टिप्पणी को अपने आरोपों के समर्थन के रूप में पेश किया है। हालांकि, इस टिप्पणी को मतदाता सूची में कथित व्यापक हेरफेर के कांग्रेस के सभी राजनीतिक आरोपों की पुष्टि मानना अलग विषय है। यही वजह है कि कांग्रेस अब इस मुद्दे को केवल कानूनी या प्रशासनिक बहस न रखकर राजनीतिक आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस की रणनीति में सबसे महत्वपूर्ण

◆ वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे के साथ सड़क पर उतरेगी कांग्रेस
◆ मतदाता सूची के कथित विलोपन को चुनावी मुद्दा बनाने की तैयारी
◆ एसआईआर प्रक्रिया पर सवालों के बीच कांग्रेस का आक्रामक रुख

बदलाव आंदोलन का विस्तार है। पार्टी को अब केवल बड़े शहरों में प्रदर्शन करने के बजाय बूथ और गांव तक पहुंचने की तैयारी करनी है। 25 अक्टूबर से 25 नवंबर तक गांवों में चौपालों के जरिए मतदाता सूची में नामों की स्थिति देखने और कथित रूप से बाहर किए गए मतदाताओं से संपर्क करने का कार्यक्रम इसी रणनीति का हिस्सा है। कांग्रेस का यह अभियान आने वाले विधानसभा चुनावों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में 2027 में चुनाव होने हैं। ऐसे में मतदाता सूची का सवाल सीधे चुनावी राजनीति के केंद्र में पहुंच गया है। कांग्रेस इसे लोकतंत्र और मताधिकार का मुद्दा बना रही है, जबकि भाजपा और निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े पक्ष कांग्रेस के आरोपों पर अलग रुख रखते हैं।

इस मुद्दे पर कांग्रेस ने विपक्षी दलों को भी साथ लाने की कोशिश की है। घटक दलों ने दो से आठ अक्टूबर के बीच जिला स्तर पर लोकतंत्र बचाओ मार्च और कार्यक्रमों का निर्णय लिया था। छह अक्टूबर को विपक्षी सांसदों के निर्वाचन आयोग तक मार्च की योजना भी बनाई गई। हालांकि विपक्षी एकजुटता की वास्तविक परीक्षा जमीन पर होगी। अलग-अलग राज्यों में क्षेत्रीय दलों के अपने राजनीतिक हित हैं। ऐसे में वोट चोरी का मुद्दा विपक्षी दलों को कितनी दूर तक एक मंच पर रख

पाता है, यह देखने वाली बात होगी।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी पहले ही तेज हो चुकी है। ऐसे में कांग्रेस के इस देशव्यापी अभियान का असर प्रदेश की राजनीति पर भी पड़ना स्वाभाविक है। राज्य कांग्रेस मतदाता सूची के मुद्दे को बूथ स्तर तक ले जाने की कोशिश कर सकती है। छह अक्टूबर को पौड़ी क्षेत्र में कांग्रेस की ओर से निर्वाचन आयोग के समक्ष प्रदर्शन की तैयारी की खबर भी सामने आई है। उत्तराखंड में एसआईआर और मतदाता सूची का सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनावी मुकाबला अब बूथ स्तर तक पहुंच चुका है। ऐसे में कांग्रेस के लिए यह अभियान संगठन को सक्रिय करने का माध्यम भी बन सकता है। लेकिन इसकी राजनीतिक प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करेगी कि पार्टी आरोपों को प्रमाणित तथ्यों और स्थानीय मतदाताओं की वास्तविक शिकायतों से किस तरह जोड़ती है।

कांग्रेस ने अपने आंदोलन का एक बड़ा हिस्सा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग के इर्द-गिर्द रखा है। केशी वेणुगोपाल ने कहा है कि पार्टी का आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती और चुनावी व्यवस्था में सुधार नहीं किया जाता। यह मांग अब कांग्रेस के लिए महज एक प्रशासनिक सवाल नहीं रह गई है। पार्टी इसे व्यापक चुनावी सुधार और मतदाता अधिकारों के मुद्दे से जोड़ रही है। वहीं, चुनाव आयोग की भूमिका पर लगाए गए राजनीतिक आरोपों को तथ्यों, दस्तावेजों और कानूनी प्रक्रियाओं की कसौटी पर परखा जाना बाकी है।

दरअसल, कांग्रेस ने वोट चोरी के आरोप को अब एक चुनावी नारे से आगे बढ़ाकर देशव्यापी राजनीतिक अभियान का रूप दे दिया है। सड़क पर मार्च से लेकर गांव की चौपाल और बूथ स्तर पर मतदाता सूची की पड़ताल तक पार्टी का लक्ष्य इस मुद्दे को चुनावी विमर्श के केंद्र में रखना है। आने वाले एक महीने में यह साफ होगा कि यह अभियान केवल राजनीतिक आंदोलन बनकर रहता है या मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर ठोस बहस भी खड़ी करता है।

डॉक्टरों की स्थायी तैनाती नहीं होने पर फूटा गुस्सा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला अस्पताल में डॉक्टरों की कमी को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना दिया गया। कहा कि विभाग की ओर से सीमांत जनपद में बाल रोग विशेषज्ञ व सर्जन के रोस्टरवार सेवाएं देने की बात कही जा रही है लेकिन यह आम जनता के साथ बिल्कुल भी न्यायसंगत नहीं है। देहरादून से कोई भी डॉक्टर पहाड़ नहीं चढ़ेगा। इसलिए जब तक पूरी व्यवस्था नहीं की जाती है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता प्रदेश सचिव मनीष राणा के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर पहुंचे। वहां पर उन्होंने जमकर नारेबाजी की। कहा कि प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से सीमांत जिले के लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा

रहा है। कहा कि विभाग की ओर से बाल रोग विशेषज्ञ व सर्जन की सेवाएं रोस्टर वार देने की बात कही गई लेकिन पहले दिन ही दोनों विशेषज्ञों डॉक्टरों में से कोई भी अस्पताल नहीं पहुंचा। वहीं दूसरी ओर महिला अस्पताल में भी अभी तक विशेषज्ञ डॉक्टर की तैनाती नहीं हो पाई है। इस कारण हर दिन बीमार बच्चों व गर्भवती महिलाओं को रेफर किया जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि पहाड़ में प्रदेश सरकार की नितियों के चलते कोई भी डॉक्टर नहीं आना चाहता है। कहा कि जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की रोस्टरवार नहीं, बल्कि स्थाई तैनाती होनी चाहिए। उनके धरने को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लिखित आश्वासन दिया गया कि बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती स्थाई तौर पर हुई है। सर्जन कुछ दिन रोस्टर पर रहेंगे। उसके बाद स्थाई तैनाती होगी।

पुजालड़ी गांव में शादी-ब्याह में शराब पीने पर रहेगी पाबंदी

नई टिहरी(आरएनएस)। ग्राम पंचायत पुजालड़ी की बैठक में गांव को नशा मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में गांव के होने वाले सार्वजनिक और मांगलिक कार्यक्रमों में शराब पर पाबंदी लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। पंचायत के नियम का उल्लंघन करने वाले परिवार से 2100 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा। ग्राम प्रधान मता देवी की अध्यक्षता में हुई ग्राम पंचायत की बैठक में नशामुक्त पंचायत बनाने का संकल्प लिया गया। ग्राम प्रधान ने कहा कि गांव में होने वाले आयोजनों को नशे से दूर रखकर सामाजिक माहौल को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान ग्राम समाज सुधार समिति का भी गठन किया गया जिसमें विनीता देवी अध्यक्ष, सरिता देवी उपाध्यक्ष, सुमित्रा देवी सचिव और सेजल को सहसचिव की जिम्मेदारी दी गई।

सत्यदेव की समवर्ती’ के टीजर ने मचाई धूम!

अभिनेता सत्यदेव की आगामी फिल्म समवर्ती’ के आधिकारिक टीजर को डिजिटल मंचों पर एक करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। टीजर को मिल रही प्रतिक्रिया के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। अजय नाग वी के निर्देशन में बनी यह सत्यदेव के प्रमुख भूमिका वाली 16वीं फिल्म है।

समवर्ती’ का निर्माण रुद्र पिक्चर्स और पंचभूत प्रोडक्शंस के बैनर तले शिवचरण रेड्डी जक्कीडी और शशिधर रेड्डी पदमती ने किया है। फिल्म के टीजर में इसे घने



जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित पर्यावरणीय एक्शन-रोमांच फिल्म के रूप में पेश किया गया है।

टीजर में सत्यदेव महादेव के एक अलग और रौद्र रूप में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म की कहानी में पेड़ों की कटाई, वन्यजीवों की सुरक्षा, जंगलों के संरक्षण और

आदिवासी समुदायों के संघर्ष जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी गई है। प्राकृतिक स्थलों पर फिल्माए गए दृश्यों के साथ टीजर में बाघ की झलक भी दिखाई गई है, जो कहानी के रहस्य और रोमांच को और बढ़ाती है।

फिल्म में सत्यदेव के अलावा श्रीकांत, दिलीप पोथन, राजीव कनकला, गनवी लक्ष्मण, रवींद्र विजय और मोहन भगत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना है।

समवर्ती’ का संगीत सिंजित येरामिली ने तैयार किया है। हर्ष मल्लिकार्जुन और देवदीप गंडिकुंटा ने छायांकन की जिम्मेदारी संभाली है, जबकि संपादन आदित्य तिवारी ने किया है। उल्लास हाइदर ने कला निर्देशन एवं निर्माण रूपांकन की जिम्मेदारी संभाली है और मोंदरू रविकुमार कला निर्देशक हैं।

निर्माता फिल्म को इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में लाने की तैयारी कर रहे हैं। प्रदर्शन से पहले फिल्म से जुड़े अन्य प्रचारात्मक सामग्री भी जारी किए जाने की योजना है। पर्यावरण, जंगल और आदिवासी जीवन से जुड़े विषयों के साथ एक्शन और रोमांच का मेल फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा रहा है।

एनटीआर और त्रिविक्रम फिर साथ आएंगे, 2027 में शुरु होगी पौराणिक फिल्म

अभिनेता एनटीआर और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास की सफल जोड़ी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने की तैयारी में है। दोनों इससे पहले एक्शन फिल्म अरविंदा समेता वीरा राघव’ में साथ काम कर चुके हैं। अब उनकी अगली फिल्म पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसे फिलहाल गॉड ऑफ वॉर’ के नाम से बताया जा रहा है।

फिल्म को लेकर सामने आई ताजा जानकारी के मुताबिक, त्रिविक्रम श्रीनिवास ने इसकी पटकथा तैयार कर ली है। हालांकि, फिल्म का अंतिम नाम अभी तय नहीं हुआ है। निर्देशक ने एक साक्षात्कार में बताया कि परियोजना की शुरुआत वर्ष 2027 में होने की संभावना है।

त्रिविक्रम फिलहाल अभिनेता वेंकटेश की आगामी फिल्म आदर्श कुटुम्बम’ की रिलीज की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म 9 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने वाली है। इसके बाद त्रिविक्रम के एनटीआर के साथ प्रस्तावित नए प्रोजेक्ट पर काम आगे बढ़ने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, एनटीआर इन दिनों निर्देशक प्रशांत नील की एक्शन फिल्म ड्रेगन’ की शूटिंग में व्यस्त हैं। ऐसे में त्रिविक्रम और एनटीआर की आगामी फिल्म को लेकर आधिकारिक तौर पर अन्य जानकारीयों का इंतजार किया जा रहा है।

इस बीच, त्रिविक्रम की आदर्श कुटुम्बम’ भी चर्चा में है। फिल्म की टैगलाइन इंटी नंबर 47’ है। इसमें श्रीनिधि शेटी, निवेथा पेशुराज और डिंपल हयाती महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। अभिनेता नारा रोहित भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत थमन ने तैयार किया है। एनटीआर और त्रिविक्रम की पिछली फिल्म अरविंदा समेता वीरा राघव’ को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। ऐसे में दोनों की आगामी पौराणिक फिल्म को लेकर अभी से उत्सुकता बनी हुई है।

क्या सीढ़ियां चढ़ते वक्त हांपने लगते हैं आप ?

सांस चल रही है तो आदमी जिंदा है। इसलिए कभी खतरनाक बीमारी आपके शरीर में एंट्री करती है तो सबसे पहले तकलीफ लेने में होने लगती है। जैसे- अगर आपको सीढ़ी चढ़ते वक्त सांस फूलने लगता है या किसी भी तरह की असुविधा होती है। या पैदल चलने या छोटा-मोटा काम करने में आप परेशान हो जाते हैं और सांस फूलने लगती है तो यह खतरनाक बीमारी के गंभीर लक्षण हो सकते हैं।

हेल्थडायरेक्ट के मुताबिक फेफड़ों की बीमारी, दिल की बीमारी, लंग्स या हार्ट में इंफेक्शन, पैनिक अटैक और फेफड़ों की नस में ब्लॉकेज होने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगती है और यही वजह है कि जब आप सीढ़ी या तेज चलते हैं तो सांस फूलने लगता है।

सीने में किसी भी तरह की तकलीफ हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से मिलें

सांस फूलने के साथ-साथ खांसी, घबराहट, सीने में दर्द या जकड़न, सीने में दर्द होना, छींक आना, बंद नाक और गले में दर्द की वजह से आप असहज महसूस करने लगते हैं। इसलिए इन लक्षणों को हल्के में न लें बल्कि बिना समय गवाएं



तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

बदलते मौसम में खास ख्याल रखें आजकल बहुत तेजी से मौसम बदल रहे हैं। ऐसे में सांस की बीमारी बहुत खतरनाक हो जाती है। इस वक्त वायरस और बैक्टीरिया का खतरा ज्यादा हो जाता है। जो आपकी सांस की नली में सूजन होने लगता है।

स्मोकिंग या जंक फूड न खाएं स्मोकिंग, ड्रिंक, जंक फूड ज्यादा खाने से सांस की तकलीफ शुरू हो सकती है। इसलिए फैट वाले फूड को छोड़ देना चाहिए। यह बीमारी को गंभीर बना सकते हैं। फेफड़ों को डिटॉक्स करने के लिए इन

सब्जी और फल को डाइट में करें शामिल फेफड़ों को मजबूत बनाने के साथ-साथ डिटॉक्स करने के लिए जरूरी है एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लामेटरी फूड। इसलिए अपनी डाइट में हल्दी, टमाटर, खट्टे फल, कद्दू, सेब, चुकंदर को शामिल करें।

फेफड़ों की सफाई करता है अदरक बिना तकलीफ के सांस लेना है तो फेफड़ों की सफाई जरूर करें। इसलिए हर दिन अदरक, नींबू और शहद से बनी हर्बल टी पिएं। यह फेफड़ों की नसों को रिलैक्स करने के साथ-साथ गंदगी भी निकालता है।

आपकी स्किन के लिए भी खतरनाक हो सकता है ज्यादा मीठा खाना!

क्या आपको भी मीठा खाने का बहुत शौक है? मीठा है ही ऐसी चीज कि देखते ही मुंह में पानी आ जाता है। यूं तो मिठाई खाना बुरी बात नहीं है लेकिन ज्यादा मीठा खाना आपकी सेहत के लिए नुकसानदेय हो सकता है। और तो और जिस त्वचा को सेहतमंद रखने के लिए आप तरह तरह के जतन करते हैं, मीठा खाने की आदत उस त्वचा को नुकसान पहुंचा रही है। जी हां ज्यादा मीठा खाने से आपकी सेहत ही नहीं आपकी त्वचा भी बहुत सारी परेशानियों का शिकार बन रही है। चलिए जानते हैं कि ज्यादा मीठा खाने से स्किन को क्या क्या नुकसान हो सकते हैं।

ज्यादा मीठा खाने से स्किन को होते हैं ये नुकसान

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि जिस तरह सेहत के लिए ज्यादा शुगर नुकसानदेय है, उसी तरह ये शुगर आपकी स्किन को भी समय से पहले बूढ़ा बनाने का काम करती है। ज्यादा ग्लाइकोसेमिक इंडेक्स वाले फूड्स के सेवन से त्वचा की लोच कम होने लगती है और समय से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगती हैं। दरअसल ज्यादा चीनी के सेवन से त्वचा में कोलेजन और इलास्टिटी की प्रोसेस कमजोर होती है और त्वचा रूखी और बेजान होनी आने लगती है। यानी आपके ज्यादा मीठा खाने की आदत आपकी स्किन को समय से पहले उम्र दराज करने की प्रोसेस शुरू कर सकती है।

ट्रिगर हो सकती है मुंहासों की समस्या ज्यादा शुगर के सेवन से त्वचा पर

सूजन भी आ जाती है क्योंकि इससे त्वचा को जवां बनाए रखने वाला कोलेजन और इलास्टिन फाइबर को नुकसान पहुंचता है। ऐसे में त्वचा ढीली होने लगती है और इस पर सूजन दिखने लगती है। ज्यादा शुगर के सेवन से शरीर में इंसुलिन तेजी से बढ़ता है और इससे आपकी स्किन में सीबन तेजी से बनने लगता है। यही सीबन मुंहासों और एक्ने को ट्रिगर करता है। इतना ही नहीं ज्यादा मीठा खाने से आपके ब्लड शुगर में तेजी से इजाफा होता है जो कई बार ऑक्सीडेटिव तनाव का कारण बन जाता है। यही ऑक्सिडेटव तनाव आपकी स्किन को जवां बनाए रखने वाले कोलेजन के बनने की प्रोसेस को धीमा कर देता है।

शब्द सामर्थ्य - 65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी,

अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5.

पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2		3		4		5
		6				7		
8	9			10	11			
12		12ए		13		14		15
		16				17		
18	19			20	21			
22				23				24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द		सिं	हा	स	न	
ख		म	ज	दू	र		का	म
वा	द	क		र		सं	ब	ल
इ		ल	ज्जा		म	स्का		य
	बा			बि	हा	र		
सु	धा	क	र		न			औ
रं		म		कि	ता	ब		स
ग		अ	र	सा		हु	ज्ज	त
	श	क्ल		न	मि	त		न

मध्य हरिद्वार में 30 हजार की आबादी पर पांच घंटे पानी की किल्लत बनी

हरिद्वार(आरएनएस)। पौष क्षेत्र मध्य हरिद्वार की विवेक विहार कॉलोनी में उत्तराखंड जल संस्थान ने पानी की मुख्य पाइप लाइन की मरम्मत का काम किया। मरम्मत के लिए क्षेत्र के पांच पंपिंग स्टेशनों से पानी की सप्लाई बंद की गई। सप्लाई बाधित होने से करीब 3० हजार की आबादी को बड़ी परेशानी उठानी पड़ी। दिन में पांच घंटे लोगों को पानी की किल्लत से जूझना पड़ा। जल संस्थान के कर्मचारियों ने विवेक विहार कॉलोनी में लीकेज मुख्य पाइप लाइन की मरम्मत का काम किया। मरम्मत के लिए दोपहर 12 बजे मुख्य पाइप लाइन से पानी की सप्लाई को रोकना पड़ा। इसके लिए आसपास के पांच पंपिंग स्टेशन न्यू हरिद्वार, गोविंदपुरी, देवपुरा, ललतारौ और टिबड़ी से पानी की सप्लाई को बंद किया गया। काम पूरा होने के बाद शाम पांच बजे पानी की सप्लाई सुचारु हो सकी। सप्लाई बाधित होने से टिबड़ी, शिवलोक कॉलोनी, रानीपुर मोड़, मॉडल कॉलोनी, विवेक विहार, पुराना रानीपुर मोड़, न्यू हरिद्वार, गोविंदपुरी कॉलोनी, खन्ना नगर, ऋषिकुल, देवपुरा, मायापुर, विकास कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, औद्योगिक क्षेत्र, लौधामंडी आदि में लोगों को बड़ी दिक्कतें उठानी पड़ीं। पानी की कटौती से दिन में महिलाओं के घरेलू काम प्रभावित हो गए। हालांकि शाम को पानी की सप्लाई सुचारु होने के बाद लोगों को राहत मिली। वहीं ईई विपिन चौहान ने बताया कि विवेक विहार कॉलोनी में पाइप लाइन की मरम्मत काम के लिए पानी सप्लाई बंद करनी पड़ी। दोपहर 12 बजे तक लोगों को पानी सप्लाई किया गया था। मरम्मत काम की सूचना पूर्व में उपलब्ध कराई थी। काम का लाभ क्षेत्र के लोगों को मिलेगा।

दौड़ लगाते समय बेहोश हुआ अग्निवीर भर्ती अभ्यर्थी

रुड़की(आरएनएस)। अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने आया हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी एक अभ्यर्थी सोमवार सुबह दौड़ लगाते समय अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। अभ्यर्थी के बेहोश होते ही भर्ती स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सेना के जवानों ने तत्काल उसे सेना अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों ने उसकी जांच कर उपचार शुरू किया। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि जांच में अभ्यर्थी का शुगर लेवल कम पाया गया। उपचार के बाद उसकी हालत में तेजी से सुधार हुआ और अब वह खतरे से बाहर है। चिकित्सकों के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने से पहले अभ्यर्थी ने संभवतः कुछ खाया नहीं था। इसके अलावा रात में पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण भी कमजोरी और ब्लड शुगर कम होने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। फिलहाल अभ्यर्थी चिकित्सकीय निगरानी में है। पूरी तरह स्वस्थ होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

चक्का फेंक प्रतियोगिता में ऋषभ और साक्षी ने मारी बाजी

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर की ब्लॉक स्तरीय शीतकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-14 बालक वर्ग के बीच चक्का फेंक प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में ऋषभ प्रथम और बालिका वर्ग में साक्षी प्रथम रही। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार दिया गया। व्यापार मंडल के महामंत्री राकेश सजवाण और प्रवीन पंवार ने ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने की जरूरत है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-14 बालक वर्ग के बीच चक्का फेंक में ऋषभ प्रथम, सत्यम द्वितीय और नैतिक राणा तृतीय स्थान पर रहा।

बालिका वर्ग में साक्षी प्रथम, राधिका द्वितीय और आरुषि बिष्ट तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग की अंडर-14 ऊंची कूद में श्रेष्ठ प्रथम, कार्तिक द्वितीय और नितिन तृतीय रहे। बालिका वर्ग में दिव्या गुसाईं प्रथम, सौम्या द्वितीय और सिमरन तृतीय स्थान पर रही। बालक वर्ग ऊंची कूद में क्यारी के श्रेष्ठ प्रथम, जीआईसी काटल के नितिन द्वितीय रहे। अंडर- 17 बालक वर्ग की 15०० मीटर दौड़ में जीआईसी रंगड़ गांव के मुकेश प्रथम रहे। अंडर-19 चक्का फेंक में पुजार गांव इंटर कॉलेज के आशीष प्रथम, जीआईसी रौतुकीबेली के राहुल द्वितीय रहे। बालिका वर्ग में जीआईसी म्याणी की शिवानी प्रथम, अलीशा द्वितीय रही। व्यायाम शिक्षक दिनेश गुसाईं ने बताया कि विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण करने के साथ ही ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न हो गई। इस मौके पर व्यायाम शिक्षक देवेन्द्र रावत, कमल पुंडीर, संजय चौहान, सुमिता रावत, नितिन यादव और अनीता मियां आदि मौजूद थे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हाउस ऑफ हिमालयाज उत्पादों की बिक्री आंकड़ा छह करोड़ के पार

संवाददाता
देहरादून। महिलाओं के मेहनत से तैयार अंब्रेला ब्रांड ‘हाउस ऑफ हिमालयाज’ ने अपनी शुरुआत के बाद से अब तक करीब 6 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज कर लिया है।

आज यहां राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले स्थानीय उत्पादों को देश-दुनिया के बाजार तक पहुंचाने की पहल अब मजबूत कारोबारी मॉडल में बदल रही है। उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं के मेहनत से तैयार अंब्रेला ब्रांड ‘हाउस ऑफ हिमालयाज’ ने अपनी शुरुआत के बाद से अब तक करीब 6 करोड़ रुपए का कारोबार दर्ज कर लिया है। हाउस ऑफ हिमालयाज की शुरुआत को राष्ट्रीय पहचान तब मिली, जब दिसंबर 2023 में देहरादून में आयोजित उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रध नमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं इस ब्रांड का विमोचन किया। प्रधानमंत्री ने इसे ‘वोकल फॉर लोकल’ और ‘लोकल फॉर ग्लोबल’ की अवधारणा को आगे बढ़ाने वाला प्रयास बताया। ब्रांड के तहत उत्तराखंड

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने ब्रहमपुरी सुल्तान चौक के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोड़ी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 15.97 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम नाजिम पुत्र सलीम निवासी ब्रहमपुरी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

25 साल बेमिसाल मोदी के नेतृत्व में भारत का उत्थान

संवाददाता
देहरादून। लोकप्रिय नेता तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के गौरवशाली राष्ट्रसेवा काल (7 अक्टूबर 2001, 7 अक्टूबर 2026) को शिव सेना, उत्तराखंड का कोटि-कोटि नमन।

आज यहां गुजरात के विकास पुरुष से लेकर विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता तक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के गौरवशाली राष्ट्रसेवा काल (7 अक्टूबर 2001 - 7 अक्टूबर 2026) को शिव सेना, उत्तराखंड का कोटि-कोटि नमन। इस ऐतिहासिक उपलक्ष्य में शिव सेना पंत प्रमुख एवं महाराष्ट्र सरकार के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार एवं शिव सेना राष्ट्रीय सचिव कैप्टन अभिजीत अडसूल के मार्गदर्शन में शिव सेना, उत्तराखंड द्वारा मानव सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 501 जरूरतमंद पुरुषों को कंबल वितरित किए गए, 501 माताओं-बहनों को गर्म शॉल वितरित की गई तथा

की स्थानीय पहचान से जुड़े उत्पादों को आधुनिक पैकेजिंग, बेहतर गुणवत्ता और एकीकृत ब्रांडिंग के साथ बाजार में उतारा जा गया है। वर्तमान में 60 विशिष्ट उत्पादों सहित कुल 83 उत्पादों को इस ब्रांड में शामिल किया गया है। इनमें पहाड़ी दालें, अनाज, मसाले, शहद, तेल, हर्बल और पर्सनल केयर उत्पादों के साथ हस्तशिल्प जैसी श्रेणियां शामिल हैं। आधिकारिक ब्रांड वेबसाइट पर भी मिलेट्स, दालों, चावल, तेल-घी, मसाले, शहद, हर्बल उत्पाद, बेकरी, पर्सनल केयर और हस्तशिल्प जैसी श्रेणियां उपलब्ध कराई गई हैं।

हाउस ऑफ हिमालयाज का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसका महिला-केंद्रित आजीविका मॉडल है। 55 क्लस्टर लेवल फेडरेशन से जुड़ी करीब 5,500 प्रत्यक्ष महिला लाभार्थी इस ब्रांड की आर्थिक गतिविधियों से सीधे तौर पर जुड़ी हुई हैं। यानी पहाड़ में तैयार होने वाले उत्पादों को बाजार मिलने के साथ ही उसका सीधा लाभ ग्रामीण महिलाओं तक पहुंच रहा है। अब हाउस ऑफ हिमालयाज

की पहुंच केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है। उपभोक्ता इसके उत्पाद इंडव और थ्सपचांतज जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर खरीद सकते हैं। इसके अलावा ब्रांड की अपनी वेबसाइट के माध्यम से भी देशभर में सीधे खरीदारी की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा ब्रांड के उत्पाद इंडव ठसवइंस के जरिए अमेरिका और कनाडा जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालयाज उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल से ग्लोबल के विजन के अनुरूप इस ब्रांड के माध्यम से प्रदेश की मातृशक्ति, किसान और ग्रामीण उद्यमियों के उत्पादों को अंतराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि उत्तराखंड के गांवों में तैयार होने वाले उत्पादों को वैश्विक बाजार मिले और इसका सीधा लाभ हमारे महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उत्पादकों की आर्थिकी को मिले।

यूपी की रोडवेज बसों का एक यू-टर्न और व्यवस्था धड़ाम

कोटद्वार(आरएनएस)। यूपी के नजीबाबाद की ओर से आने वाली रोडवेज बसों में कई बसें कोटद्वार में जाम का कारण बन रही हैं। जाम से न केवल हाईवे बल्कि अन्य प्रमुख मार्ग भी प्रभावित हो रहे हैं।

यूपी से आने वाली यूपी रोडवेज की कई बसें कोटद्वार डिपो तक नहीं पहुंच रही हैं। कुछ बसें डिपो तक पहुंच रही हैं और कई तीलू रौतेली चौक (लाल बत्ती) से ही लौट रही हैं। यूपी सीमा से कोटद्वार पहुंचकर लाल बत्ती चौक पर ही बस में सवार यात्रियों को उतारने और चौराहे पर ही बस की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को बस में बैठाने में 15 से 2० मिनट लग रहे हैं। रोडवेज बस के पहुंचते ही ई-रिक्शाओं व टैपों का जमघट सिरदर्द बन गया है।

इस समय कोटद्वार-पौड़ी हाईवे और चौराहे से जुड़े देवी रोड, रेलवे स्टेशन मार्ग, गोखले मार्ग, पटेल मार्ग, गोविंद नगर मार्ग, रिफ्यूजी कॉलोनी मार्ग समेत अन्य संपर्क मार्ग प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, इन बसों के रोडवेज डिपो पर नहीं पहुंचने का दंश कोटद्वार रोडवेज डिपो को भुगतना पड़ रहा है। डिपो क्षेत्र में रूट पर जाने वाली बसें यात्रियों की प्रतीक्षा में अतिरिक्त समय के लिए खड़ी हो रही हैं। यहां भी बसें सड़क पर ही खड़ी होने से रेलवे मार्ग एवं गोविंद नगर मार्ग पर भी जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है।



मलिन बस्तियों में जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरित किया गया। इस अवसर पर शिव सेना, उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष श्री सागर रघुवंशी जी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और संकल्प के 25 साल हैं। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जो विकास यात्रा शुरू हुई थी, आज वह भारत को विश्वगुरु बनाने के संकल्प तक पहुंच गई है। शिव सेना उत्तराखंड एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में मोदी के इस सेवा संकल्प के साथ

कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। देवभूमि की ठंड में किसी भी जरूरतमंद को ठिठुरने नहीं देंगे, यही हमारा संकल्प है। प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सरीन, प्रदेश प्रचारक शिवम कुमार, प्रदेश महासचिव सुमित चौधरी, महानगर अध्यक्ष मंजीत भट्ट, महानगर सचिव शुभम चौधरी, गढ़वाल मंडल अध्यक्ष मुनिश चौहान, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष अरुण कश्यप, बंटी राजपूत, रवि प्रकाश, अमित शाह, सौरव तोमर, आयुष पासवान, इंद्रेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक।



एक्सपो में आकर्षण का केंद्र रहा जीकेन एक्सक्लूसिव का स्टॉल

◆पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत भी पहुंचे

हमारे संवाददाता
देहरादून। एक्सपो में जीकेन एक्सक्लूसिव आकर्षण का केन्द्र रहा। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत भी एक्सपो में पहुंचे।
आज यहां राजधानी देहरादून में आयोजित एक्सपो में आधुनिक ऑफिस और घर के लिए फर्नीचर की रेंज के साथ जीकेन एक्सक्लूसिव का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहा। जीएमएस रोड स्थित इस एक्सक्लूसिव शोरूम की ओर से लगाए गए स्टॉल पर आधुनिक डिजाइन, सुविधा और उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए फर्नीचर की विभिन्न रेंज प्रदर्शित की गई।
स्टॉल पर मॉड्यूलर वर्कस्टेशन, एर्गोनॉमिक चेयरर्स, स्मार्ट बोर्ड्स, स्मार्ट होम और ऑफिस टेबल्स, वॉर्डरोब, लग्जरी सोफा सेट और कस्टमाइज्ड फर्नीचर सॉल्यूशन प्रदर्शित किए गए। आधुनिक डिजाइन और अलग-अलग जरूरतों के अनुसार तैयार फर्नीचर ने एक्सपो में लोगों का ध्यान खींचा। एक्सपो के दौरान हरिद्वार सांसद और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत भी जीकेन एक्सक्लूसिव के स्टॉल पर पहुंचे। उन्होंने स्टॉल पर प्रदर्शित फर्नीचर को देखा और इसकी गुणवत्ता, आधुनिक डिजाइन और एर्गोनॉमिक उपयोगिता की सराहना की।
बातचीत के दौरान सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने संस्थान को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही देहरादून के जीएमएस रोड स्थित जीकेन एक्सक्लूसिव के मुख्य शोरूम का भी दौरा करेंगे।

सू- दोकू क्र.65

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

उत्तराखंड में सनातन पर ‘सियासत’

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में अब विकास और चुनावी रणनीति के साथ धार्मिक-सामाजिक परंपराओं का सवाल भी राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा बनता दिख रहा है। भाजपा ने कांग्रेस पर विरोध की राजनीति करते-करते सनातनी परंपराओं और दिवंगत आत्माओं के सम्मान से जुड़े विषयों को भी राजनीतिक विवाद में खींचने का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन धार्मिक आस्था और मृतकों के सम्मान से जुड़े विषयों पर दलगत राजनीति से बचना चाहिए। भाजपा ने कांग्रेस के हालिया विरोध प्रदर्शनों और बयानों को निशाने पर लेते हुए कहा कि विपक्ष को सरकार की नीतियों का विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन विरोध की अपनी भी एक मर्यादा होती है। पार्टी के अनुसार, उत्तराखंड जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में सनातनी परंपराओं को लेकर राजनीतिक टिप्पणियां सामाजिक भावनाओं को प्रभावित कर सकती हैं।
भाजपा का यह हमला ऐसे समय में आया है, जब प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो रही हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने मुद्दों को जनता के बीच ले जाने में जुटे हैं। ऐसे में धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों से जुड़े विवादों का राजनीतिक विमर्श में प्रवेश चुनावी माहौल को और धार दे सकता है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस सरकार की नीतियों का विरोध करने के बजाय कई बार ऐसे विषयों को राजनीतिक रंग देती है, जिनका संबंध सीधे लोगों की धार्मिक आस्था और सामाजिक परंपराओं से है। पार्टी नेताओं ने कहा कि दिवंगत व्यक्ति की स्मृति और आत्मा के सम्मान से जुड़े संस्कार भारतीय समाज की पुरानी परंपराओं का हिस्सा हैं। ऐसे विषयों पर राजनीतिक बयानबाजी से बचना सभी

दलों की जिम्मेदारी है।
भाजपा ने कांग्रेस से सवाल किया है कि यदि उसे सरकार के किसी निर्णय या कार्यक्रम पर आपत्ति है तो वह नीतिगत और प्रशासनिक आधार पर अपनी बात रखे। धार्मिक मान्यताओं को राजनीतिक संघर्ष का हथियार बनाने से समाज में अनावश्यक विवाद पैदा हो सकता है। हालांकि कांग्रेस की ओर से भाजपा के इन आरोपों को राजनीतिक जवाब दिए जाने की संभावना है। कांग्रेस लगातार सरकार की नीतियों, प्रशासनिक निर्णयों और

◆कांग्रेस ने परंपराओं और दिवंगत आत्माओं के सम्मान की मर्यादा भंग की
◆कांग्रेस ने आरोपों को राजनीतिक मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बताया
◆धार्मिक और सामाजिक परंपराओं पर शुरु हो गई है राजनीतिक बयानबाजी

जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल उठाती रही है। पार्टी का पक्ष रहा है कि विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना और जनहित के मुद्दों को सामने रखना है। उत्तराखंड की राजनीति में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का महत्व हमेशा रहा है। चारधाम, तीर्थ परंपरा, लोक संस्कृति और सनातन मान्यताएं प्रदेश की सामाजिक पहचान से जुड़ी हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों के लिए इन विषयों पर बयान देते समय अतिरिक्त सावधानी अपेक्षित रहती है।

आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा जहां अपने विकास कार्यों, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दों को सामने रख रही है, वहीं कांग्रेस सरकार के कामकाज और जनसमस्याओं को चुनावी विमर्श का केंद्र बनाने की कोशिश कर रही है। इसी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच धार्मिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर आरोप-प्रत्यारोप भी बढ़ रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस सरकार के विरोध में इतनी आगे निकल गई है कि वह अब उन परंपराओं को भी

राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रही है, जिन्हें सामान्य तौर पर सामाजिक और धार्मिक सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। कांग्रेस के लिए चुनौती यह होगी कि वह अपने विरोध को राजनीतिक और नीतिगत मुद्दों तक सीमित रखने का संदेश दे, ताकि उसके अभियान पर धार्मिक भावनाओं को लेकर सवाल न उठें।

भाजपा के लिए यह मुद्दा केवल एक बयान तक सीमित नहीं है। पार्टी इसे कांग्रेस की राजनीतिक शैली से जोड़कर देख रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि सरकार का विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन विरोध और परंपराओं के सम्मान के बीच की सीमा का ध्यान रखना भी लोकतांत्रिक मर्यादा है। चुनावी वर्ष में यह विवाद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा और कांग्रेस दोनों अपने-अपने समर्थक आधार को सक्रिय करने में जुटे हैं। भाजपा सनातन और सांस्कृतिक पहचान के सवाल को अपने राजनीतिक विमर्श में प्रमुखता देती रही है, जबकि कांग्रेस सामाजिक सरोकार, संविधान, लोकतंत्र और सरकार की जवाबदेही को प्रमुख मुद्दों के रूप में उठा रही है। ऐसे में सनातनी परंपराओं और दिवंगत आत्माओं के सम्मान का सवाल राजनीतिक दलों के बीच एक और टकराव का कारण बन सकता है। हालांकि इस पूरे विवाद में यह जरूरी है कि आरोपों और राजनीतिक दावों को संबंधित नेताओं के बयानों के रूप में ही देखा जाए और किसी धार्मिक समुदाय या परंपरा के प्रति व्यापक निष्कर्ष न निकाला जाए।

उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में अब सवाल केवल सरकार बनाम विपक्ष का नहीं रह गया है। विकास, रोजगार और शासन के साथ संस्कृति, आस्था और परंपरा भी राजनीतिक बहस के मैदान में हैं। ऐसे में दोनों प्रमुख दलों के सामने चुनौती यही है कि राजनीतिक संघर्ष तीखा हो, लेकिन सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता की मर्यादा बनी रहे।

ग्रामीणों ने गोल खातों की जमीन बेचने का लगाया आरोप

कोटद्वार(आरएनएस)। दुगड्डा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिमलना मल्ला में कुछ लोगों पर सामूहिक (गोल खाते) जमीन बाहरी लोगों को बेचने का आरोप लगाया है। तहसील पहुंचे ग्रामीणों ने इस संबंध में एसडीएम संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कुछ व्यक्तियों की ओर से बाहरी लोगों को भूमि बिक्री के मामले सामने आए हैं। जानकारी होने पर पता चला कि बेची जा रही भूमि सामूहिक की है। ग्रामीणों के अनुसार संबंधित हिस्सेदारों को इसकी जानकारी मिलने तक उनकी हिस्सेदारी की भूमि भी कथित तौर पर विक्रय हो चुकी होती है। इससे गांव में आपसी भाईचारे का माहौल प्रभावित होने के साथ ही विवाद की आशंका बनी हुई है।ग्रामीणों ने कहा कि यदि ऐसे मामलों का समय रहते संज्ञान नहीं लिया गया तो भविष्य में भूमि के ऋय-विक्रय को लेकर विवाद बढ़ सकता है।

भवन क्षतिपूर्ति के लिए रेल विकास निगम के चक्कर काटने को मजबूर

नई टिहरी(आरएनएस)। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना से प्रभावित ग्राम लोयल, लोडसी, बिलोगी और चमेली के ग्रामीणों को एक साल से भवन क्षतिपूर्ति का भुगतान नहीं मिल पाया है।
जिला प्रशासन ने गांव में हुए नुकसान का आकलन कर प्रभावितों को 1०.०2 करोड़ का भुगतान करने के निर्देश दिए थे लेकिन रेलवे विकास निगम सालभर बाद भी प्रभावितों को भुगतान नहीं दे पाया है। कंपनी के रवैए से परेशान ग्रामीणों ने डीएम को दिए ज्ञापन में शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है। नरेंद्रनगर ब्लॉक में ऋषिकेश -कर्णप्रयाग रेल परियोजना के लिए लंबे समय से सुरंग

खोदाई का कार्य चल रहा है। सुरंग की खोदाई के दौरान नरेंद्रनगर ब्लॉक के ग्राम लोयल में ढौव, काटल और कुड़िया, ग्राम लोडसी, बिलोगी, चमेली (गुलर) आदि गांव के मकानों में दरारें आ गई थी। जिससे ग्रामीणों का उन घरों में रहना मुश्किल बना हुआ है। मकानों में दरारें पड़ने से बड़े खतरे को देखते हुए लोनिवि, राजस्व विभाग, रेलवे विभाग, भूवैज्ञानिक और रेलवे के भूवैज्ञानिकों ने भी संयुक्त रूप से प्रभावित गांवों का सर्वे किया था। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने दिसंबर 2०25 में आरवीएनएल को प्रभावित भवन स्वामियों की संख्या के आधार पर ग्राम लोयल के 28 परिवारों को

2.98 करोड़, लोडसी के 54 परिवारों का 6.31 करोड़ और चमेली के पांच परिवारों को 72.15 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति भुगतान करने के निर्देश दिए थे लेकिन अभी तक किसी को भी पैसा नहीं मिल पाया है। ग्रामीणों ने बताया कि वह आरवीएनएल कार्यालय के चक्कर काटते हुए थक चुके हैं।

उन्होंने डीएम को ज्ञापन देकर शीघ्र भुगतान कराने की गुहार लगाई है। डीएम नितिका खंडेलवाल ने आरवीएनएल को प्रभावितों को शीघ्र भुगतान कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र, अमित कुमार, वासुदेव, चंद्रमोहन आदि शामिल थे।

विकेड पर देहरादून-मसूरी में लगा भीषण जाम, प्रशासन की यातायात व्यवस्था पर बड़ा सवाल

संवाददाता

देहरादून। देहरादून सिटी में 2, 3 और 5 अक्टूबर को देखने को मिले भीषण यातायात जाम ने एक बार फिर शहर की यातायात व्यवस्था और ट्रैफिक पुलिस की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देहरादून से लेकर मसूरी और शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर घंटों तक वाहन रंगते रहे। स्थिति ऐसी रही कि स्थानीय लोगों के लिए अपने घरों से चार पहिया वाहन निकालना तक मुश्किल हो गया। देहरादून साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने कहा कि सप्ताहांत और छुट्टियों में आसपास के राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक देहरादून और मसूरी पहुंचते हैं। पर्यटन का स्वागत है, लेकिन यदि अनियोजित वाहनों की भीड़ के कारण स्थानीय नागरिकों का सामान्य जीवन, यातायात और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होने लगें तो सरकार को तत्काल ठोस नीति बनानी होगी।

उन्होंने कहा कि आपातकाल में यदि एंबुलेंस समय पर मरीज तक नहीं पहुंच पाए तो यह केवल ट्रैफिक की समस्या नहीं, बल्कि जीवन और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है। आम नागरिकों द्वारा 112 अथवा 100 पर संपर्क करने के बावजूद यदि तत्काल समाधान नहीं मिलता, तो पुलिस और प्रशासन की आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था को भी मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। हरिसिमरन सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ और ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से निम्न कदम तत्काल उठाने की मांग की। देहरादून में ट्रैफिक पुलिस की संख्या बढ़ाई जाए और प्रमुख चौराहों एवं जाम वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। मुख्य यातायात मार्गों पर आवश्यकतानुसार नए फ्लाईओवर और वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएं। देहरादून में मेट्रो/मास रैपिड ट्रांजिट जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। साइकिल को दैनिक आवागमन का सुरक्षित साधन बनाने के लिए कमकपबंजमक बलबसपदह संदमे विकसित की जाएं। हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान सहित अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों की कानूनी एवं दस्तावेजी जांच प्रभावी ढंग से की जाए। ओवरस्पीडिंग, रैश ड्राइविंग और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त और नियमित कार्रवाई हो। प्रमुख सड़कों, बाजारों, पार्किंग क्षेत्रों और पर्यटन मार्गों पर प्रभावी पुलिसिंग और ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए।

गंगा की धारा से दिल्ली के गलियारों..



पृष्ठ 2 का शेष

प्रतिनिधित्व) : गढ़वाल और कुमाऊं के बीच शक्ति-संतुलन बनाए रखने की दृष्टि से कुमाऊं के कार्यकर्ता को उच्च सदन भेजना राजनीतिक संतुलन का परिचायक है।

6. धामी सरकार और केंद्रीय नेतृत्व की जुगलबंदी

क्या दिनेश आर्य का चयन केवल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की राजनीतिक ताकत का प्रतीक है?

इसे केवल एक व्यक्ति की विजय मानना सरलीकरण होगा। भाजपा जैसी कैडर-आधारित पार्टी में अंतिम निर्णय संसदीय बोर्ड और शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व का ही होता है। हालांकि, यह तथ्य है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिना यह संभव नहीं था। यदि दिल्ली से कोई भारी-भरकम नाम थोपा जाता, तो राज्य संगठन के पास उसे स्वीकार करने के अलावा विकल्प न होता। ऐसे में एक स्थानीय कैडर के नाम पर सहमति बनना-केंद्रीय नेतृत्व, धामी सरकार और प्रदेश संगठन की त्रिवेणी संगति को दर्शाता है।

7. कांग्रेस का रणनीतिक वाकओवर

2026 के इस चुनाव में कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी न उतारने के निर्णय के पीछे उसका यथार्थवादी रुख है। 70 सदस्यीय सदन में भाजपा के पास 47 विधायकों का स्पष्ट बहुमत है। ऐसी परिस्थिति में केवल प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराने के लिए चुनाव लड़ना और हार का सामना करना रणनीतिक रूप से बुद्धिमत्तापूर्ण नहीं माना जाता। कांग्रेस ने इस व्यावहारिक सत्य को स्वीकार करते हुए वाकओवर देना ही उचित समझा।

8. भविष्य की राजनीति और उच्च सदन में उत्तराखंड की आवाज

उत्तराखंड जैसे छोटे और भौगोलिक रूप से संवेदनशील पर्वतीय राज्य के लिए राज्यसभा सांसद केवल एक विधायी पद नहीं होता।

एक राज्यसभा सांसद से राज्य की निम्नलिखित अपेक्षाएं होती हैं :

हिमालयी पारिस्थितिकी, आपदा प्रबंधन और पलायन जैसे ज्वलंत विषयों को संसद के पटल पर उठाना। केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु (Socio-Political Bridge) बनना। आगामी विधानसभा चुनावों से पूर्व संगठन के कार्यकर्ताओं में यह विश्वास जगाना कि पार्टी निष्ठा का मूल्य समझती है।

उत्तराखंड में राज्यसभा राजनीति की 24 वर्षों की यात्रा चार स्पष्ट चरणों से गुजरी है :

प्रथम चरण (2002-2007) : नई राज्य व्यवस्था में वैचारिक व सांगठनिक वर्चस्व की शुरुआती होड़।

द्वितीय चरण (2008-2016) : अत्यंत सूक्ष्म अंतरों और राजनीतिक दांव-पेंचों से भरे रोमांचक मुकाबले।

तृतीय चरण (2017-2024) : प्रचंड बहुमत के बल पर भाजपा का एकतरफा और निर्बाध प्रभुत्व।

चतुर्थ चरण (2026) : संख्यात्मक स्थायित्व के साथ-साथ स्थानीय कैडर और सामाजिक-क्षेत्रीय संतुलन की परिपक्व राजनीति।

2026 का यह घटनाक्रम उत्तराखंड के राजनीतिक इतिहास में इसलिए स्मरणीय रहेगा क्योंकि यह सिद्ध करता है कि उच्च सदन के द्वार केवल दिल्ली की चकाचौंध के लिए ही नहीं, बल्कि पहाड़ की पगडंडियों पर पसीना बहाने वाले अंतिम पंक्ति के कार्यकर्ता के लिए भी समान रूप से खुले हैं।

(लेखक उत्तराखण्ड के जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भाजपा का सेवा ज्योति से चुनावी शरंवनाद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा पूरे प्रदेश में विकसित भारत संकल्प एवं सेवा ज्योति यात्रा के जरिये एक साथ संगठन और जनसंपर्क की ताकत दिखाएंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को पार्टी ने सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ा है। हालांकि राजनीतिक तौर पर इसका सबसे अहम पहलू यह है कि प्रदेशभर में एक ही दिन पार्टी के बड़े चेहरे मैदान में उतरकर कार्यकर्ताओं और जनता के बीच पहुंच बनाएंगे। यात्रा का नेतृत्व प्रदेश प्रभारी राम माधव, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट करेंगे। सभी जिलों में प्रदेश सह प्रभारी, सांसद, कैबिनेट मंत्री और प्रदेश पदाधिकारी सेवा ज्योति सभाओं की कमान संभालेंगे। इन सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का वर्चुअल संबोधन होगा।

भाजपा की इस कवायद को केवल सेवा कार्यक्रम के तौर पर देखना पार्टी की राजनीतिक तैयारी के एक महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज करना होगा। प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो चुकी हैं और ऐसे समय में पार्टी का जिला स्तर तक अपने वरिष्ठ नेताओं को उतारना संगठन

बाईक सवारों ने लूटी युवती की चेन

संवाददाता

देहरादून। बाईक सवारों ने युवती की चेन लूटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर निवासी इन्दू चंदोला ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपनी बेटी के साथ श्रीनगर जाने के लिए खदरी रोड पर वाहन का इंतजार कर रही थी तभी बाईक सवार दो लोग वहां पर आये और उसकी बेटी के गले से चेन लूट कर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो लोगों पर युवती को बंधक बनाकर दुष्कर्म का है आरोप!

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। काशीपुर में एक युवती ने दो लोगों पर उसे बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार काशीपुर क्षेत्र निवासी पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि दो व्यक्तियों ने उसे बंधक बनाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर विपिन कुमार और राजेश यादव, दोनों निवासी काशीपुर, को मुकदमे में नामजद किया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपों की

की सक्रियता और बूथ स्तर तक संदेश पहुंचाने की रणनीति से भी जुड़ा है। पार्टी ने इस अभियान को प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों और विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ा है। देश के विभिन्न हिस्सों में इसी अभियान के तहत विकसित भारत संकल्प सभाएं

◆**प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन को केंद्र में रखकर अभियान**
◆**सीएम धामी-भट्ट-राम माधव संभालेंगे कमान, जिलों में सांसद और मंत्री उतरे**
◆**भाजपा ने एक साथ मैदान में उतारी सुपर-टीम, विरोधियों में भव गई खलबली**

और सेवा ज्योति यात्राएं आयोजित हो रही हैं। उत्तराखंड में भी इसका मकसद एक साथ दो स्तरों पर काम करता दिखाई देता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्र सरकार की उपलब्धियों का संदेश नीचे तक पहुंचाना तथा संगठन के प्रमुख चेहरों को जिलों में सक्रिय करना।

देहरादून में प्रदेश प्रभारी राम माधव के साथ राज्यसभा सांसद नरेश बंसल और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। टिहरी में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, उत्तरकाशी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, ऊधमसिंह नगर में प्रदेश सह प्रभारी अरविंद मेनन और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा तथा हरिद्वार में सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत,

संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा, राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी और कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक समेत पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। पौड़ी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीरथ सिंह रावत, सांसद अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत की मौजूदगी रहेगी। अन्य जिलों में भी सांसदों, मंत्रियों और प्रदेश पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है।

भाजपा पहले ही सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां तय कर चुकी है। सेवा ज्योति यात्रा उसी व्यापक अभियान की कड़ी है। पार्टी ने इसके लिए कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा को संयोजक और विपिन मैदोली को सह संयोजक बनाया था। ऐसे में बुधवार का कार्यक्रम भाजपा के लिए केवल एक दिन की गतिविधि नहीं है। यह उस अभियान का हिस्सा है जिसमें पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन, केंद्र सरकार की योजनाओं और विकसित भारत के संदेश को कार्यकर्ताओं और आम लोगों तक ले जाने की कोशिश कर रही है। सवाल यह है कि सेवा ज्योति की यह यात्रा आगे चलकर चुनावी राजनीति में किस तरह का संदेश बनाती है। फिलहाल भाजपा ने एक ही दिन में प्रदेश के हर जिले में अपने बड़े चेहरों को उतारकर यह जरूर दिखाया है कि संगठन चुनावी वर्ष में मैदान को खाली छोड़ने के मूड में नहीं है।

लाखों के जेवरात सहित शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। बंद मकान में ताला तोड़कर हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराये गये लाखों के जेवरात बरामद हुए हैं। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है जो पूर्व में भी जेल जा चुका है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीते 6 अक्टूबर को अमित कुमार क्षेत्री निवासी 14 बसन्त कुंज, बसन्त विहार द्वारा थाना बसन्त विहार पर तहरीर देकर बताया गया था कि वह अपने निजी काम के सिलसिले में घर से बाहर गये थे इस दौरान अज्ञात चोर द्वारा उनके घर का ताला तोड़कर घर में रखी ज्वैलरी चोरी कर ली। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान मिली एक सूचना के आधार पुलिस ने बीती रात मलिक चौक से आगे शास्त्रीनगर खाला पुलिसिया के पास से उक्त चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी शानू पुत्र खुशींद अहमद को घटना में चोरी की गई शत-प्रतिशत ज्वैलरी के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नशे का आदी है तथा नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसके द्वारा वसंत कुंज, बसंत विहार स्थित मकान की रैकी की गई तथा मौका देखकर उसके द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था।



जांच की जा रही है और मामले से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि पीड़िता की ओर से कोतवाली क्षेत्र में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में दो नामजद व्यक्तियों पर बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का

आरोप लगाया गया था, जिसके आधार पर तत्काल मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस के मुताबिक पीड़िता के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। इसके साथ ही न्यायालय के समक्ष भी उसके बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

नौकर ने की चोरी, साथी गिरफ्तार

संवाददाता
देहरादून। हायर किया गये नेपाली गैंग के सदस्य ने परिवार को नशीला पदार्थ पिलाकर घर से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी की। पुलिस ने गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। अन्य की तलाश जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार महिपाल सिंह निवासी राज मार्केट बल्लीवाला चौक थाना बसंत विहार देहरादून द्वारा थाना बसन्त विहार पर लिखित तहरीर दी कि उनके घर पर काम करने वाले नौकर भरत थापा, जिसे उनके द्वारा दिल्ली की एक कम्पनी के माध्यम से घर में काम करने के लिये देहरादून बुलाया गया था, के द्वारा उनके खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर अपने अन्य साथियों के साथ घर में ज्वैलरी व नगदी चोरी कर ली है। वादी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के खुलासे तथा उसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटना स्थल व उसके आस-पास आने जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरो की जांच करते हुये घटना में शामिल अन्य लोगों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी तो घटना में

भरत थापा के साथ 04 अन्य के शामिल होने तथा घटना में एचआर नम्बर की गाड़ी का इस्तेमाल किये जाने की जानकारी प्राप्त हुयी। प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस टीमों द्वारा सुरागरसी पतारसी करते हुये साथ ही अलग- अलग टीमों को गैर प्रान्त रवाना कर अभियुक्तों



के सभी सम्भावित ठिकानों पर दबिशे दी गयी। पुलिस द्वारा किये जा रहे प्रयाशों के दौरान रात्रि में पुलिस टीम द्वारा मिली सूचना पर घटना में शामिल दिनेश सुनार को घटना में प्रयुक्त वाहन आर्टिका के साथ गिरफ्तार किया गया, जिससे पूछताछ में उसके द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ बसन्त विहार क्षेत्र में एक घर में रहने वाले लोगो को नशीला पदार्थ खिलाकर घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया जाना स्वीकार किया गया, उसकी तलाशी में उसके कब्जे से घटना में चोरी की गयी नगदी बरामद हुयी। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है तथा दिल्ली में टेक्सी चलाने का कार्य

करता है। टेक्सी के काम की आड़ में वह नेपाली मूल के अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता है। उसके साथियों द्वारा लोगों के घरों में काम करने के बहाने घर की अच्छे से रैकी की जाती है तथा उसके पश्चात मौका देखकर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर आपराधिक क घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। गिरफ्तार व्यक्ति अपनी टैक्सी के माध्यम से अपने साथियों को घटना स्थल तक लाने व घटना के बाद वापस ले जाने का काम करता था, जिसके एवज में उसे चोरी किये गये माल में से उसका हिस्सा मिलता था। बसन्त विहार में हुयी घटना में भी उसके साथियों द्वारा घटना के बाद उसे 50 हजार रुपये नगद दिये थे तथा चोरी का माल बिक जाने के बाद बाकी का हिस्सा दिये जाने की बात कही थी। अभियुक्त से पूछताछ में उसके व भरत थापा के साथ घटना में शामिल 03 अन्य लोगों के नाम प्रकाश में आये है, जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार गैर प्रान्तों व सभी सम्भावित स्थानों पर दबिशे दी जा रही है। जिनके नाम भरत थापा पुत्र चन्द्र बहादुर थापा निवासी जनकपुरी, नई दिल्ली, मूल निवासी नेपाल आदित्य, अभिषेक, एलेक्स,समस्त निवासी नेपाली हैं।

स्पा सेंटर में तोड़फोड़ और महिलाओं से मारपीट मामले में बजरंग दल कार्यकर्ताओं सहित नौ लोगों पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता
हरिद्वार। सिडकुल स्थित पेंटागन मॉल के एक स्पा सेंटर में घुसकर तोड़फोड़ करने और वहां मौजूद महिलाओं के साथ कथित मारपीट एवं छेड़खानी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। स्पा सेंटर संचालक की शिकायत पर पुलिस ने बजरंग दल से जुड़े बताए जा रहे नौ लोगों के खिलाफ मारपीट, छेड़खानी और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
मामला पेंटागन मॉल स्थित स्पा सेंटर का है, जहां कुछ लोग अचानक पहुंचे और सेंटर में घुसकर हंगामा करने लगे। आरोप है कि इस दौरान स्पा सेंटर में तोड़फोड़ की गई और वहां मौजूद महिलाओं के साथ मारपीट तथा अभद्र व्यवहार किया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्पा सेंटर संचालक की ओर से सिडकुल थाने में दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने दीपक तालियांन, भूपेंद्र सैनी, कुलदीप विश्‍नोई, संजय प्रिंस, शिवम, करण, रवि, अनूप पाल सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत में आरोपियों पर मारपीट और महिलाओं के साथ छेड़खानी करने के आरोप लगाए गए हैं। घटना से संबंधित एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोगों के स्पा सेंटर में पहुंचने और वहां हंगामा किए जाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो और घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे लोगों की भूमिका की भी पुष्टि की जा रही है। मुकदमा दर्ज होने के बाद सिडकुल पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश देने के साथ-साथ घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों और स्पा सेंटर में मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



कलियर में मासूम बच्ची से दुष्कर्म!

हमारे संवाददाता
हरिद्वार। पिरान कलियर क्षेत्र में रेन बसेरे में ठहरे एक परिवार की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आने से पुलिस में हड़कंप मच गया। बच्ची की उम्र छह या सात वर्ष बताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया है। वहीं आरोपी की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं।
जानकारी के अनुसार बच्ची अपने परिजनों के साथ रेन बसेरे में ठहरी हुई थी। देर रात बच्ची के साथ घटना होने की जानकारी परिजनों को हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीओ बहादुराबाद देवव्रत जोशी और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली।
पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि घटना के समय बच्ची के परिजन लंगर लेने के लिए गए हुए थे। एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि घटना की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली, दूसरा फरार

हमारे संवाददाता
हरिद्वार। शहर कोतवाली क्षेत्र में बीती रात पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के दाएं पैर में गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान नरेश उर्फ भिंडे निवासी सुल्तानपुरी, दिल्ली के रूप में हुई है। उसका साथी दिनेश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश में देर रात तक काबिंग करती रही।
जानकारी के अनुसार बीती सुबह खड़खड़ी क्षेत्र में बसंत भवन के बाहर बाइक सवार दो बदमाशों ने निजी स्कूल की प्रिंसिपल हर्ष के गले से चैन झपट ली थी। वारदात के बाद दोनों बदमाश फरार हो गए थे। घटना सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई थी। इसके बाद नगर

कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा के नेतृत्व में पुलिस की कई टीमों बदमाशों की तलाश में जुटी थीं। रात में पुलिस टीम पुराना औद्योगिक क्षेत्र में दरगाह के पास संदिग्ध वाहनों और लोगों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो संदिग्ध पुलिस को आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और बाइक छोड़कर जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश के दाएं पैर में गोली लग गई। गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश को पुलिस ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी बाइक

चोरी की वारदातों में भी शामिल रहे हैं। आरोपियों ने ज्वालापुर और शहर कोतवाली क्षेत्र से बाइक चोरी करने की बात भी स्वीकार की है। इसके अलावा चैन झपटमारी की कई अन्य घटनाओं में शामिल होने की बात सामने आई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर उसके आपराधिक इतिहास और अन्य वारदातों की जानकारी जुटा रही है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, एसपी सिटी दीपक सिंह और सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी मौके पर पहुंचे।
एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि फरार आरोपी की तलाश में पुलिस टीमों जंगल और आसपास के इलाकों में काबिंग कर रही हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पीएम मोदी ने दिया नया नारा ‘हम ये करके दिखाएंगे’

संवाददाता
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत के लोकतंत्र और संविधान को नमन किया। दिल्ली में आयोजित %सेवा ज्योति% कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता ने उन्हें बार-बार सेवा का अवसर दिया है और उन्होंने सार्वजनिक सेवा को हमेशा अपनी जिम्मेदारी माना है। प्रधानमंत्री ने %सेवा ज्योति यात्रा% में शामिल नागरिकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की और देश, देश की 14० करोड़ जनता तथा स्वयं के लिए प्रार्थना की। उन्होंने राष्ट्र की सेवा

अधिक ऊर्जा और क्षमता के साथ जारी रखने की शक्ति मांगी।
प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का उन पर सबसे पहला अधिकार है और वह 2०47 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों के अनुभव और जनता के भरोसे को बहुत बड़ी संपत्ति बताया। उन्होंने कहा कि यह संपत्ति केवल मोदी की नहीं, बल्कि पूरे देश की है और भारत के प्रत्येक नागरिक का इस पर अधिकार है। उन्होंने स्वयंसेवकों और कार्यकर्ताओं के योगदान को भी याद किया।



मोदी ने कहा कि सार्वजनिक जीवन की यात्रा में उन्होंने कभी खुद को अकेला महसूस नहीं किया, क्योंकि बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और कार्यकर्ता राष्ट्रसेवा के उद्देश्य से लगातार काम करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्वयंसेवकों के जीवन में सेवा की भावना प्रमुख है और वे खुद को मानवता

का सेवक मानते हैं।
कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने देश के विकास लक्ष्यों को लेकर नया उत्साह जगाते हुए हम करके दिखाएंगे का मंत्र दिया। उन्होंने भीड़ से कई राष्ट्रीय लक्ष्यों को पूरा करने का संकल्प दोहराने को कहा और हर बार लोगों ने उत्साह के साथ हम करके दिखाएंगे कहा। मोदी ने 2०47 तक विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने, ओलंपिक की मेजबानी करने और अंतरिक्ष क्षेत्र में देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने जैसे लक्ष्यों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संकल्प के साथ देश की ऊर्जा और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा सकती है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।